

## लखनऊ की जागृतायादव एक दिन के लिये बनीं ब्रिटन की उच्चायुक्त

### चर्चा में क्यों?

10 अक्टूबर, 2022 को उत्तर प्रदेश के लखनऊ की 20 वर्षीय जागृतायादव 'एक दिन के लिये उच्चायुक्त प्रतियोगिता के भारत संस्करण' में भारत में एक दिन के लिये ब्रिटिश उच्चायोग में उच्चायुक्त बनीं।

### प्रमुख बिंदु

- ब्रिटिश दूतावास ने बताया कि जागृतायादव एक दिन के लिये उच्चायुक्त प्रतियोगिता के भारत संस्करण की छठवीं विजेता हैं।
- जागृतायादव ने एक दिन के लिये उच्चायुक्त प्रतियोगिता का छठा संस्करण जीतने के बाद भारत में ब्रिटन के शीर्ष राजनयिक के रूप में एक दिन बतियाया। जागृता ने राजनयिक गतिविधियों की एक वसितृत श्रृंखला का भी अनुभव किया, जिसमें विभिन्न स्टेकहोल्डर्स के साथ बैठक की। इस दौरान जागृता कई कार्यक्रमों में भी शामिल हुईं।
- वदिति है कि वर्ष 2017 से सालाना इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य महिलाओं को अगली पीढ़ी के लिये सशक्त बनाना है।
- भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार, प्रोफेसर अजय कुमार सूद के साथ, जागृता ने स्टीम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, कला और गणित) में 75 भारतीय महिलाओं को सम्मानित करने वाली एक पुस्तक भी लॉन्च की।
- ब्रिटन के उच्चायुक्त एलेक्स एलिस ने कहा कि जागृता मुखर और केंद्रित हैं तथा पूरे भारत में प्रतभा दिखाती हैं। जैसे-जैसे महिलाएँ बढ़ती हैं, हम सब उठते हैं। ब्रिटन और भारत अनुसंधान और शिक्षा सहित लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिये एक साथ बहुत कुछ करते हैं। उन्होंने बताया कि इस साल भारत के लिये शेवनि छात्रवृत्तिका 50 प्रतशित महिलाओं को प्रदान किया गया है।
- उल्लेखनीय है कि उच्चायोग अंतर्राष्ट्रीय बालिका दविस (11 अक्टूबर) को मनाने के लिये हर साल 'एक दिन के लिये उच्चायुक्त' प्रतियोगिता का आयोजन करता है। इस साल की प्रतियोगिता के लिये पूरे भारत से 270 से अधिक लड़कियों ने आवेदन किया था।